LOK SABHA

Saturday, July 15, 1967/Asadha 24, 1889 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

RE. ADJOURNMENT MOTIONS AND CALLING-ATTENTION NOTICE (*Query*)

Mr. Speaker: Shri Mrityunjay Prasad to continue his speech.

Shri M. R. Masani (Rajkot): Will you kindly indicate at what time you propose to call the Minister?

Mr. Speaker: At 12 O'Clock, the Minister will be called; we will finish it by 1 O'Clock. We will take up the Demands for Grants of the Ministry of External Affairs at 2 O'Clock.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : हमारे जो स्थगन प्रस्ताव हैं, काम रोको प्रस्ताव हैं उनका क्या होगा ? कल आपने निर्णय दिया था कि मंत्री महोदय से जानकारी प्राप्त करने के बाद आप फैसला देंगे । आपने किसी भी प्रस्ताव को खत्म नहीं किया है । मैंने आज के आर्डर पेपर पर देखा है कि ध्यानाकर्षण का प्रस्ताव आ गया है ।

Mr. Speaker: When I am ready, I will bring it to the House. Weare sitting today only for these Demands.

श्री शिव नारायण (बस्ती) : अध्यक्ष महोदय, कोरम के लिए हम लोग बैठते हैं । आज हाउस की स्पेशल मीटिंग हो रही है । हम कोरम करते हैं और हम को ही आप

बोलने नहीं देते हैं । हम भी तो अपनी कांए टट्युएंसी को रिप्रिजेंट करते हैं और हमें भी तो लोगों के बारे में बोलना है ।

Shri Hem Barua (Mangaldai): Yesterday, we tabled an adjournment motion on the reported killing of 23 policemen by Naga hostiles. You were pleased to say that you had not dismissed the adjournment motion. Today, we find in the agenda papers that a Call Attention notice has been put at 6 O'Clock. Are we to understand that after the Call Attention Notice the adjournment motion will be taken up or the adjournment motion is going to be taken up just now?

Mr. Speaker: The Call Attention notice has been admitted; the adjournment motion has not been admitted.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): It is a failure on the part of the Government.

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : जो ध्यानाकर्षण का प्रस्ताव है उस में जो नाम दिये गये हैं, उन में हमारा नाम नहीं है ।

श्री मधु लिमये : असफलता के बारे में कुछ सुनाना है । यह डा० राम सुभग सिंह की असफलता है ।

संसद्-कार्य तथा संचार मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : नहीं, नहीं ।

श्री मधु लिमये : आप नक्सलबाड़ी जा रहे थे, उधर जा रहे थे । कब जा रहे हैं ? असफलता आपकी है ।